बहुत ही सहज है राजयोग...

हमने आत्मा के गुणों व सम्बन्धित तन्त्रों के बारे में सुना और समझा। अब हमें आत्मा के तीन शक्तियों के बारे में समझना है कि आत्मा कार्य कैसे करती है। क्योंकि बहुत भ्रांति है दुनिया में कि आत्मा, मन और बुद्धि आदि अलग-अलग है और इनके कार्य को समझना भी इतना आसान नहीं है। लेकिन इसे आज हम आसान बनाने की कोशिश करेंगे।

बुद्धि : आत्मा की दूसरी शक्ति बुद्धि है। जिससे वो निर्णय करती है कि क्या गलत है, क्या सही है। अगर हम कम्पयूटर की भाषा में देखें तो जो कुछ भी हम टाईप करते हैं, उसको एनालाइज़ या परखने के लिए हमारे कम्पयूटर के अन्दर एक सॉफ्टवेयर होता जिसे डिक्शनरी कहते हैं। यदि गलत होगा तो डिक्शनरी होने के कारण वाक्य के नीच ग्रीन या रेड कलर की लाईन आ जाती है। मान लो आपके कम्पयूटर के अन्दर डिक्शनरी है ही नहीं तो आप जो कुछ भी टाईप करेंगे वो उसे सत्य दिखायेगा या वैसा ही दिखायेगा जैसा आपने लिखा है। ठीक इसी प्रकार हमारी बुद्धि है। हम जो कुछ भी मन के पर्दे पर देखते हैं बुद्धि उस पर निर्णय लेती है कि कौन सा चित्र या रंग ठीक है, कौन सा ठीक नहीं है। अब यदि हम कहें कि हमारा बुद्धि रूपी सॉफ्टवेयर आज खत्म या डिलीट हो गया है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। बुद्धि के नष्ट होने के कारण आज हम गलत को भी सही मानते हैं और सही को भी सही मानते हैं। जैसे गुस्सा करना भी ठीक, चोरी करना भी ठीक, झूठ बोलना भी ठीक, धोखा देना भी ठीक, गलत काम करना भी ठीक आदि-आदि। यदि हम बहुत उलझ जाते हैं तो मन्दिर में जाकर क्या कहते हैं? कि हे भगवान! हमें सद्बुद्धि दो ताकि मैं सही या गलत को पहचान सकूं। आज मनुष्य गलतियों पर गलतियाँ करता जा रहा है जिसका प्रमुख कारण सिर्फ बुद्धि रूपी नेत्र का बन्द होना ही है। जब तक बुद्धि ठीक नहीं होगी तब हम निर्णय ठीक से नहीं कर सकेंगे और खुश नहीं रह सकेंगे।

संस्कार : आत्मा की तीसरी शक्ति को हम संस्कार कहते हैं। यदि हम कम्पयूटर की भाषा में समझना चाहें तो कह सकते हैं कि

यह कम्पयूटर की मेमोरी है। इसे हम संस्कार या इम्प्रेशन या रिसोल्वस या सब-कॉन्शियस माइन्ड, अवचेतन मन आदि भी कहते हैं। इसलिए इसमें हमें भ्रम में पड़ने की आवश्यकता नहीं है ये सभी संस्कार के ही नाम हैं। जब मन के ऊपर चित्र या रंग आते हैं या विचार आते हैं तो उस पर बुद्धि निर्णय देती है कि कौन सा विचार सही और कौन सा गलत है तो उसका इम्प्रेशन हमारे संस्कार में जाकर इकट्ठा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे शुरु-शुरु में जब हम साईकिल सीखते हैं तो उस समय हर दिन हम एक नया इम्प्रेशन अपने संस्कार में डालते हैं। लेकिन कुछ दिन के बाद वो संस्कार पक्का हो जाता है। आज हम चालीस साल बाद भी बिना देखे साईकिल चला सकते हैं बिना किसी प्रशिक्षण के। क्योंकि उसका सारा डाटा हमारे संस्कार में है। जैसे हम साईकिल देखते हैं, हमारे सारे फोल्डर खुल जाते हैं। ठीक उसी प्रकार कार चलाना, कम्पयूटर चलाना, कुछ भी आपने जो शुरू में सीखा, आज भी उसकी यान्त्रिकी या मैकेनिक्स हमारे संस्कार में रिकॉर्ड है। ऐसे रिकॉर्डिंग से याद आया कि जो कुछ भी हम इन आंखों से देखते हैं, कान से सुनते हैं, मुख से बोलते हैं, त्वचा से महसूस करते हैं उस पर बुद्धि गलत या सही का निर्णय देती है और वो सब हमारे संस्कारों में जाकर इकट्ठा या रिकॉर्ड हो जाता है। जिस प्रकार कम्पयूटर में किसी भी डाटा को पूर्णतया स्पष्ट देखने के लिए प्रिन्टर का इस्तेमाल करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमारे शरीर में पाँच प्रिन्टर हैं, हाथ, पैर, मल-मूत्र अंग (बोथ एक्सकेट्री ऑर्गन्स) तथा मुख आदि अंग हैं। जो कुछ भी हमारे संस्कारों में है वो प्रिन्ट होकर बार-बार,बीच-बीच में हमारे चेहरे पर आता रहता है। इसलिए कहा जाता है कि चेहरा मन का दर्पण है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-13

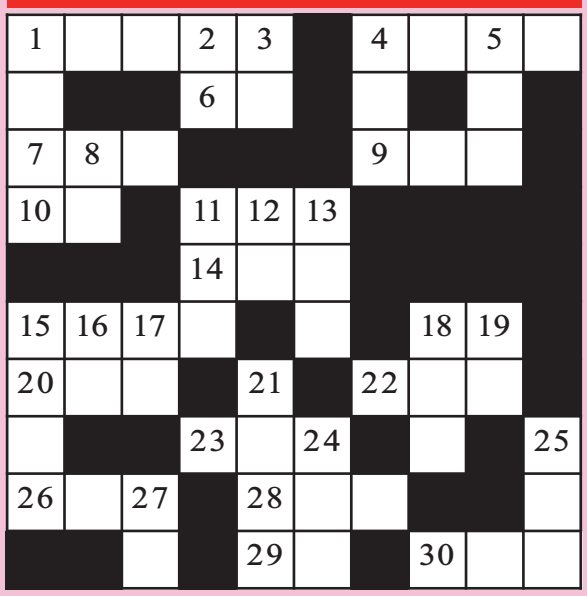

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. बड़ी दादी जी का एक नाम (4) (3)
2. ज्ञानी, जानकार, समझदार (2)
3. पानी, जल (2)
4. बलपूर्वक नष्ट करना, समाप्त करना (3)
5. महीन, पतला, गूढ़ (3)
8. बायाँ, रावण राज्य में तुम बच्चे....मार्गी बन गये (2)
11. क्षणिक दर्शन, आभा, आभास, चमक (3)
12. तुम वानप्रस्थी हो तुम्हारी सब....टूट जानी चाहिए, लगाव (2)
13. सिख धर्म के संस्थापक.... (4)
15. यह दादा शिव बाबा का....रथ है, निश्चित (4)
16. ....गांधी ने भी रामराज्य लाने का सपना देखा था (2)
17. लीन, मग्न, तल्लीन (2)
18. भगवान को मानने वाला, विश्वास रखने वाला (3)
19. सब्जी, तरकारी, भाजी (2)
21. उत्सव, जलसा, शुभ आयोजन (4)
24. प्रतिलिपि, कॉपी करना, फॉलो (3)
25. आक्रमण, धावा (3)
27. स्त्री, महिला (2)

बायें से दायें

1. ज्ञान की धारणा करनी है सिर्फ....नहीं बनना है (5)
4. आत्मा राजा बन अपनी इन्द्रियों की रोज़....लगाओ (4)
6. तुम बच्चों की बुद्धि की....सदा बाबा से जुड़ी रहे (2)
7. रीति रस्म, परम्परा (3)
9. पापियों के रहने का स्थान, दोज़क (3)
10. ....महाशत्रु है (2)
11 ऊँचाई से गिरने वाला जल प्रवाह, गिरना (3)
14. लगी....बस एक यही हमें तपस्या करना है (3)
15. बधाई, शुभ कामना, मंगल कामना (4)
18. उम्मीद, विश्वास, भरोसा (2)
20. बाप का कहना न मानने वाले बच्चे....कहलाते हैं (3)
22. परमात्मा को न मानने वाला (3)
23. उस जैसा, तुम बच्चों को ब्रह्मा बाप....बनना है (3)
26. बनाना, निर्माण करना, बाबा रचयिता है हम आत्मायें उसकी....हैं (3)
28. मना करना, न करने देना, मनाही (3)
29. समाधान, उत्तर, बलराम का अस्त्र (2)
30. लक्ष्मी का एक नाम, रमा (3)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन

मनाली-हि.प्र.। गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में 'सुपरमाइंड मेमोरी पावर एंड मेडिटेशन मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शक्तिराज, ब्र.कु. यशपाल, स्कूल के प्रिन्सीपल पवन ठाकुर, ब्र.कु. संध्या व अन्य अध्यापकगण।

बोलंगीर-ओडिशा। 'डिवाइन गेट टूगेदर' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सांसद अनंग उदय सिंह देव, ब्र.कु. रुक्मणि, ब्र.कु. पार्बती व ब्र.कु. आशा।

अमेठी-उ.प्र.। ज्ञानचर्चा के पश्चात् डी.एम. व ए.डी.एम. को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. सुमित्रा।

भदोही-उ.प्र.। निर्माणाधीन सेवाकेन्द्र में आने पर ब्र.कु. उषा,माउण्ट आबू का स्वागत करते हुए ब्र.कु. विजयलक्ष्मी।

कटक-ओडिशा। 'किसान सशक्तिकरण अभियान' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सी.आर.आर.आई. के निर्देशक प्रो.डॉ. ए.के. नायक, ब्र.कु. कमलेश, ब्र.कु. सुलोचना व अन्य।

पटना-बिहार। एस.के. मेमोरियल हॉल में 'किसान सशक्तिकरण अभियान' के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन हैं सी.पी. सिन्हा,किसान आयोग अध्यक्ष, ब्र.कु. सरला,गुज., ए.पी. सहाय,पुलिस सेवा व अन्य।